संक्षिप्त समाचार

www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 सोशल मीडिया बच्चों को हिंसक एवं बीमार...

3 कचहरी स्वास्थ्य केंद्र पर अधिवक्ता प्रेम प्रकाश ने...

4 मोदी सरकार के 11 साल में देश ने हासिल की...

वर्ष: 9 | अंक: 228 | दिल्ली, गुरुवार, 12 जून 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

इंडोनेशिया के बाली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 का 38वां पूर्व-कार्यक्रम पडांग लुविह में बाडुंग हैप्पी मूवमेंट के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें योग के माध्यम से स्वास्थ्य, सद्भाव और सामुदायिक कल्याण के महत्व पर जोर दिया गया। (स्त्रोत: पीआईबी)

उत्तर प्रदेश के किसानों को मोदी सरकार की सौगात

उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मूंगफली और मूंग को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की स्वीकृति दे दी है। बुधवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हुई। इसमें शाही ने केंद्रीय कृषि मंत्री को अवगत कराया कि जायद 2024-25 में उत्तर प्रदेश में मूंग का आच्छादन 1.60 लाख हेक्टेयर और मूंगफली का आच्छादन 1.74 लाख हेक्टेयर रहा है। उन्होंने प्रदेश के किसानों द्वारा उत्पादित जायद की मूंगफली और मूंग को एमएसपी पर खरीदने का आग्रह किया, जिसे केंद्रीय कृषि मंत्री ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। जायद 2024-25 के लिए मूंग के क्रय का लक्ष्य 34,720 मीट्रिक टन और मूंगफली के क्रय का लक्ष्य 50,750 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। केंद्र सरकार के इस निर्णय से बड़ी संख्या में प्रदेश के किसान लाभान्वित होंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह भी आश्वासन दिया है कि आवश्यकता पड़ने पर मूंगफली और मूंग के क्रय के लक्ष्य में वृद्धि की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, उड़द के क्रय के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होने पर उसका अनुमोदन भी प्रदान कर दिया जाएगा।

पटना में डबल-डेकर फ्लाईओवर का उद्घाटन

पटना (एजेन्सी)। बिहार के शहरी बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को पटना में राज्य के पहले डबल-डेकर फ्लाईओवर का उद्घाटन किया, जिसे 422 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। शहर के स्मार्ट मोबिलिटी मिशन में मील का पत्थर माने जाने वाले इस ढांचे का उद्देश्य राजधानी में यातायात की भीड़ को कम करना और कनेक्टिविटी में सुधार करना है। अशोक राजपथ के साथ निर्मित, बहु-स्तरीय फ्लाईओवर तीन-स्तरीय यातायात प्रणाली की शुरूआत करता है-जो बिहार में अपनी तरह का पहला है। नीतीश ने एक्स पर लिखा कि आज अशोक राजपथ पर 422 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कारगिल चौक (गांधी मैदान) से साइंस कॉलेज वाया पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल डबल डेक फ्लाईओवर का लोकार्पण किया। इस अत्याधुनिक फ्लाईओवर के बन जाने से अशोक राजपथ पर ट्रैफिक की समस्या का पूरी तरह समाधान हो जाएगा और पटना की यातायात व्यवस्था काफी सुगम हो जाएगी। पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल जानेवाले मरीजों और उनके परिजनों को आवागमन में बहुत ही सुविधा होगी। यह फ्लाईओवर पटना के शहरी परिदृश्य और आवागमन को एक नई दिशा देगा। टियर 1 (लोअर डेक) में पटना कॉलेज से बीएन कॉलेज तक 1.45 किलोमीटर का हिस्सा शामिल है।

अब 24 घंटे पहले बनेगा चार्ट, वेटिंग लिस्ट को लेकर बड़े बदलाव की तैयारी में भारतीय रेलवे!

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ट्रेन के रवाना होने से पूरे 24 घंटे पहले अंतिम यात्री चार्ट जारी करने पर काम कर रहा है। वर्तमान में, अंतिम आरक्षण चार्ट, जो बुक किए गए और प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों की स्थिति की पुष्टि करता है, ट्रेन के प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान से सिर्फ चार घंटे पहले तैयार किया जाता है। यदि यह नया प्रस्ताव सफलतापूर्वक लागू किया जाता है, तो यात्रियों को अपनी टिकट की स्थिति पहले से ही जाँचने और उसके अनुसार विकल्प की योजना बनाने की सुविधा मिलेगी।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, यह कदम रेलवे संचालन को आधुनिक बनाने, सेवाओं को सुव्यवस्थित करने और स्टेशनों पर अंतिम समय में होने वाली भीड़ और भ्रम को कम करने के एक बड़े प्रयास का हिस्सा है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, इस परीक्षण के शुरूआती नतीजे बहुत ही आशाजनक रहे हैं। पहले चार दिनों में ही यात्रियों को अधिक स्पष्टता का अनुभव हुआ और उन्हें अपनी यात्रा की योजना बनाने के लिए अधिक समय मिला। अब तक, अंतिम आरक्षण चार्ट आमतौर पर ट्रेन के प्रस्थान से केवल 2.5 से 4 घंटे पहले तैयार किया जाता था। इससे यात्रियों के पास टिकट कन्फर्म न होने पर वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए बहुत कम समय बचता था। नई प्रणाली के साथ, प्रतीक्षा सूची वाले टिकट वाले यात्रियों को एक पूरा दिन पहले पता चल जाएगा कि वे ट्रेन में चढ़ सकते हैं या नहीं। यह विशेष रूप से दिल्ली-बिहार, यूपी-मुंबई या बंगाल-गुजरात जैसे उच्च मांग वाले मार्गों पर यात्रा करने वालों के लिए मददगार होगा, जहाँ प्रतीक्षा सूची अक्सर सैकड़ों में होती है और टिकटों पर अक्सर "खेद" लिखा होता है। इस पहल से भारतीय रेलवे को बेहतर योजना बनाने में भी मदद मिलेगी। कितने यात्रियों के पास कन्फर्म टिकट हैं और कितने अभी भी प्रतीक्षा कर रहे हैं, इस बारे में शुरूआती डेटा के साथ, रेलवे अतिरिक्त कोचों की व्यवस्था कर सकता है, क्लोन ट्रेनें चला सकता है या पहले से ही अन्य व्यवस्था कर सकता है। इस सक्रिय दृष्टिकोण से भीड़ कम होने और समग्र यात्रा अनुभव में सुधार होने की उम्मीद है।

अमरनाथ गुफा में हुई प्रथम पूजा, एलजी मनोज सिन्हा ने किया सबसे पहले दर्शन

(एजेन्सी)।

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने देश भर के श्रद्धालुओं को 3 जुलाई से शुरू हो रही श्री अमरनाथ जी यात्रा में बड़ी संख्या में भाग लेने का निमंत्रण दिया है। उपराज्यपाल ने तीर्थयात्रा को न केवल एक पवित्र आध्यात्मिक यात्रा बताया, बल्कि इसे जम्मू-कश्मीर और राष्ट्र की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए सामूहिक प्रार्थना भी बताया। उन्होंने कहा कि मैं बाबा के सभी भक्तों से अनुरोध करूंगा कि वे बड़ी संख्या में आएं। तीर्थयात्रा 3 जुलाई से शुरू होने जा रही है...सुरक्षा की दृष्टि से जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और अन्य एजेंसियों ने अच्छे इंतजाम किए हैं। बाबा बर्फानी के पवित्र गुफा मंदिर की अपनी यात्रा के दौरान, उपराज्यपाल सिन्हा ने पारंपरिक 'प्रथम पूजा' की, जो वार्षिक तीर्थयात्रा की औपचारिक शुरूआत को चिह्नित करता है। उन्होंने कहा, "हर हर महादेव! बाबा बर्फानी को मेरी श्रद्धांजलि अर्पित की और पवित्र गुफा में 'प्रथम पूजा' की। बाबा अमरनाथजी हम सभी पर अपना दिव्य आशीर्वाद बनाए रखें।"

दिल्ली सरकार की 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल ने पर्यावरण और मातृत्व को जोड़ा: लोक निर्माण मंत्री

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के जल एवं लोक निर्माण मंत्री श्री परवेश साहिब सिंह ने बुधवार को कहा कि भाजपा सरकार ने अपने पहले 100 दिनों में ही वह कर दिखाया है, जो पिछली सरकार 10 वर्षों में भी नहीं कर सकी। उन्होंने यह बात दिल्ली शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'एक पेड़ माँ के नाम' में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही।

मंत्री ने इस पहल को पर्यावरणीय चेतना और भावनात्मक जुड़ाव का सुंदर संगम बताते हुए कहा कि दिल्ली सरकार की यह पहल पर्यावरण और मातृत्व-दोनों को समर्पित है। मैं दिल्लीवासियों से अपील करता हूँ कि वे अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाएं, चाहे वह किसी पार्क में हो या अपने घर के सामने।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली में हरियाली को बढ़ावा देना है, साथ ही नागरिकों और वृक्षारोपण के बीच भावनात्मक संबंध स्थापित करना भी है। श्री सिंह ने पिछले 100 दिनों में दिल्ली में जल प्रबंधन को लेकर उठाए गए प्रमुख कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं ताकि कहीं भी जल संकट न हो। दूषित जल की समस्या को लेकर भी हम तेजी से कार्रवाई कर रहे हैं। हर घर तक स्वच्छ जल पहुँचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी बताया कि बीते वर्षों की तुलना में इस बार जल की माँग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, लेकिन विभाग पूरी सतर्कता और जमीनी स्तर पर कार्य कर रहा है।

श्री परवेश साहिब सिंह ने जोर देते हुए कहा कि सिर्फ 100 दिनों में हमने जमीन पर वह बदलाव दिखाया है जो पिछली सरकार 10 साल में नहीं दिखा सकी। यह अंतर सिर्फ कागजी योजनाओं में नहीं, बल्कि धरातल पर नजर आता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार तेज, पारदर्शी और जन-हितैषी शासन देने में प्रतिबद्ध है, और यही बात उसे पिछली सरकार से अलग बनाती है।

सांसद ने प्रेस वार्ता में गिनाई मोदी सरकार की उपलब्धियां

नरेंद्र मोदी सरकार के अमृतकाल के बीते 11 वर्ष संजीवनी साबित हुए: मनोज तिवारी

संजना भारती/संजय कुमार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने बुधवार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा बीते 11 वर्ष के अमृत काल की उपलब्धियां गिनाने के लिए उत्तर पूर्वी जिला के कार्यालय यमुना विहार में प्रेस वार्ता का आयोजन किया।

सांसद मनोज तिवारी ने कहा की आजादी के बाद दशकों तक विकास की सुस्त पड़ी रफ्तार के लिए नरेंद्र मोदी सरकार के अमृतकाल के यह 11 वर्ष संजीवनी साबित हुए हैं और आज देश हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि गरीबों और वंचितों की सेवा, किसान समृद्धि संचार अमृत पीढ़ी का विकास, नारी सशक्तिकरण की नई उड़ान, मध्यम वर्ग परिवारों का जीवन खुशहाल करने की योजनाएं, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा, राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रहित की विदेश नीति भारत का वैश्विक एवं आर्थिक महाशक्ति की राह पर तेजी से आगे बढ़ना इस ऑफ डूइंग बिजनेस ढांचागत मजबूती और तेज गति से विकास का विस्तार भारत का तकनीकी दशक पूर्वोत्तर का विकास भारतीय संस्कृति और विरासत की रक्षा तथा उसका विकास एवं पर्यावरण की रक्षा करते हुए देश का सतत विकास इस अमृतकाल का मजबूत आधार रहा है।

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि 2014 से 2025 आजादी के बाद देश का वह 11 वर्ष का अमृतकाल है जब अंत्योदय को समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने गरीबों और वंचितों की सेवा की, 81 करोड़ से अधिक लोगों को गरीब कल्याण अन्य योजना के अंतर्गत मुफ्त राशन दिया, 15 करोड़ से अधिक घरों को नल से जल का कनेक्शन दिया, पीएम सम्मान निधि योजना के तहत 68 लाख से अधिक रेहडी पटरी लगाने वालों लोगों को लोन दिया, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 12 करोड़ से अधिक शौचालय का निर्माण किया, पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक मकान का निर्माण कर बेघर लोगों को घर दिया, प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के अंतर्गत 52.5 करोड़ से अधिक उद्यमियों को लोन दिया।

पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का काम सरकार ने किया 14700 करोड़ से अधिक लोगों को स्टैंड अप इंडिया से एससी/एसटी उद्यमियों को ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई। 20 करोड़ महिलाओं को कोविड लॉकडाउन में सीधी नकद सहायता की गई, एससी/एसटी/ ओबीसी वर्ग से मंत्रिमंडल में 60% मंत्रियों को स्थान दिया गया, 112 आकांक्षी जिलों ने अपनी राज्य की औसत विकास दर को पार किया, 2014 के बाद 4 गुना ज्यादा एकलव्य स्कूल मंजूर किए गए। पहले केंद्र से 1 रुपया भेजा जाता था तो केवल 15 पैसा ही पहुंचता था अब डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर डिजिटल प्लेटफॉर्म और लक्षित योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति को समय पर मिल रहा है।

मनोज तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अमृत पीढ़ी का विकास आधार बना। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-30 वर्षों के बाद लागू की गई। भारत ने टोक्यो, पेरिस ओलंपिक और पैरा ओलंपिक में कुल 61 पदक जीते, 8 नए आईआईएमएस स्थापित किए गए जिनकी कुल संख्या 2025 में 21 हो गई। टॉप्स कार्यक्रम के तहत 94 एथलीट को कोर ग्रुप और 112 को डेवलपमेंट ग्रुप में सहायता मिली। पीएम कौशल विकास योजना के तहत 1.6 करोड़ लोगों को प्रशिक्षण दिया गया।

एम्स की संख्या तीन गुना बढ़ी या पूरे भारत में 23 एम्स अस्पताल देशवासियों को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए काम कर रहे हैं। साथ में आईआईटीएस स्थापित अब कुल संख्या 23 हुई। पीएम श्री योजना के तहत 14500 स्कूलों में सुधार किया गया, देशभर में 490 विश्वविद्यालय स्थापित किए गए, कुल 2045 मेडिकल कॉलेज बनाए गए जिनमें 780 एलोपैथी कॉलेज, 323 डेंटल कॉलेज और 942 आयुष संस्थान शामिल है।

सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि आजादी के दशकों बाद उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र को तीन केंद्रीय विद्यालय मिले। शाहदरा बनकर तैयार, खजूरी इस वर्ष बन जाएगा और बुराड़ी की योजना पर काम जारी है। हमारे संसदीय क्षेत्र को देश का पहला डाकघर पासपोर्ट केंद्र यमुना विहार मिला, 400 करोड़ की लागत से हर्ष विहार ट्रांसमिशन केंद्र मिला जिससे क्षेत्र को 24 घंटे बिजली मिल रही है। 4000 करोड़ की लागत से मेट्रो फेस 4 क्षेत्र के लिए विकास का वरदान साबित हो रही है। 468 करोड रुपए की लागत से वजीराबाद से डसना सिग्नल फ्री योजना के तहत डबल डेकर फ्लाईओवर बन रहा है। लगभग 4.5 हजार करोड़ की लागत से दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे का निर्माण इसी अमृत काल में हमारे लोकसभा क्षेत्र की पहचान बना। लगभग 40000 जरूरमंदो को स्वाबलंबी बनाने के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 300 करोड़ का लोन दिया गया।

प्रेस वार्ता में दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, विधायक अजय महावर, जिला अध्यक्ष डॉ यू के चौधरी, विनोद कुमार, पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज त्यागी, उत्तर पूर्वी जिला के मीडिया प्रभारी दीपक चौहान, भाजपा नेता अनिल वशिष्ठ, कुमारी रिंकू, आनंद त्रिवेदी, दुष्यंत वर्मा, राजकुमार झा भी मौजूद रहे।

दिल्ली-एनसीआर में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रीय राजधानी में तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली के लिए नया 'रेड' अलर्ट जारी किया है। भीषण गर्मी की चेतावनी देते हुए आईएमडी ने दिल्ली के लिए अपने ऑरेंज अलर्ट को संशोधित कर रेड कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी के लिए जारी किए गए नाउकास्ट के अनुसार, यह रेड अलर्ट बुधवार और गुरुवार को भी जारी रहेगा। दोपहर 2 बजे जारी बुलेटिन के आधार पर मौसम विभाग ने कहा है कि दिल्ली-एनसीआर में लू का प्रकोप जारी रहेगा तथा तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाएगा। आईएमडी ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में कई स्थानों पर लू चलने की संभावना है। तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के सफदरजंग सबस्टेशन में अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, आयानगर में अधिकतम तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, ये दोनों तापमान सामान्य से अधिक हैं। राजधानी में सुबह के समय नमी का स्तर 39 प्रतिशत के मध्यम स्तर पर रहा, लेकिन गर्मी और शुष्क दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के संयोजन ने परेशानी और बढ़ा दी है। 'रेड अलर्ट' में कार्रवाई करें की चेतावनी होती है। इसमें निवासियों से गर्मी के संपर्क से बचने, शरीर में पानी की कमी नहीं हो इसके लिए पानी पीते रहने और बाहरी गतिविधियों को सीमित करने का आग्रह किया जाता है।

सामाजिक समरसता और अंत्योदय की प्रेरणा देती है कबीर वाणी: रविन्द्र इन्द्राज

'सभी संतों की जयंतियों का होगा भव्य आयोजन'

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। कबीर की वाणी सामाजिक समरसता और अंत्योदय की प्रेरणा देती है। अंत्योदय की मूल भावना ही केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार की कार्यशैली है, यह बात समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कबीर जयंती समारोह के अवसर पर कहीं। रविन्द्र इन्द्राज बुधवार को दिल्ली सचिवालय में इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली सरकार के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अधिकारी, कर्मचारी और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

श्री इंद्राज ने संत कबीर के जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार की यह प्राथमिकता है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचे, विशेषकर वे योजनाएं जो अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए चलाई जा रही हैं। श्री इंद्राज ने कहा कि संत कबीर एक ऐसे युगद्रष्टा थे, जिन्होंने जात-पात, धर्म और ऊँच-नीच के भेद को नकारते हुए सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश दिया। संत कबीर जैसे संतों ने हमें यह सिखाया कि मनुष्य का मूल्य उसकी सोच और कर्म में है, न कि उसकी जाति, धर्म या वर्ग में। एससी/एसटी कल्याण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार सामाजिक समरसता और संत परंपरा की चेतना को बनाए रखने हेतु निरंतर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी

आयोजन में भजन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसमें संत कबीर की शिक्षाओं को संगीत और काव्य के माध्यम से जनमानस तक पहुँचाया गया।

कार्यक्रम में एससी/एसटी कल्याण विभाग के सचिव ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि कबीर दास जी की जयंती पर ऐसा आयोजन पहली बार दिल्ली सचिवालय में किया गया है।

'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' 'स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली' की दिशा में ऐतिहासिक कदम: पंकज कुमार सिंह

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना 'स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली' की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने नागरिकों को बेहतर, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जो फैसला लिया है। उसके तहत हमारी सरकार अब तक प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और वय वंदना योजना के तहत 3 लाख 45 हजार से ज्यादा स्वास्थ्य कार्ड जारी कर चुकी है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इनमें से एक लाख 67 हजार कार्ड वय वंदना योजना के तहत दिल्ली के वरिष्ठ नागरिकों को जारी किए गए हैं। वय वंदना कार्ड से 70 साल से अधिक के सभी बुजुर्गों को मुफ्त और कैशलेस इलाज की सुविधाएं प्रदान की जा रही है। राजधानी दिल्ली में अब तक 85 अस्पतालों को इस योजना

से जोड़ा जा चुका है, जिनमें से 60 प्राइवेट और 25 सरकारी अस्पताल शामिल हैं। ये सभी अस्पताल सभी पात्र लाभार्थियों को कैशलेस इलाज की सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में दिल्ली सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ, सस्ती और समावेशी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाएं हैं।

सम्पादकीय

मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को 11 वर्ष पूरे हो चुके हैं और इस समय भाजपा की ओर से मोदी सरकार की उपलब्धियों का जोरशोर से प्रचार देशभर में किया जा रहा है। इस क्रम में प्रेस कांफ्रेंसों के अलावा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भाजपा के नेता पहुँच कर मोदी सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों की चर्चा कर रहे हैं। ऐसा ही एक कार्यक्रम भाजपा की ओर से दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया गया जिसमें डिजिटल मीडिया के प्रतिनिधियों को देशभर से बुलाया गया और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उनके साथ खुलकर संवाद किया। यह वाकई ऐसा कार्यक्रम था जिसमें पार्टी के शीर्ष नेता बेझिझक सारे सवालों के जवाब दे रहे थे। देखा जाये तो आज के इस युग में डिजिटल और सोशल मीडिया ही सबसे बड़ी ताकत बन चुका है इसलिए इस मंच के महारथियों के साथ भाजपा के शीर्ष नेताओं का सीधा जुड़ाव एक अभिनव पहल भी थी। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय और पार्टी के सारे राष्ट्रीय प्रवक्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान एक पावरप्वॉइंट प्रेजेंटेशन के ज़रिये अश्विनी वैष्णव ने उन बड़ी पहलों का ज़िक्र किया जिससे देश में व्यापक रूप से बदलाव आया और विकसित भारत का आधार तैयार हुआ। अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष की ओर से अक्सर उठाये जाने वाले सवालों के जवाब भी अपनी प्रेजेंटेशन के ज़रिये दिये जिससे कई चीजें स्पष्ट हुईं और भ्रम का वातावरण छँटा। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने डिजिटल मीडिया प्रतिनिधियों से सीधे संवाद में स्वीकार किया कि पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान पार्टी अति-आत्मविश्वास का शिकार हो गयी थी। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने यह बात मानी कि हमने इस बात पर ठीक से ध्यान नहीं दिया कि 'अबकी बार 400 पार' के नारे का विपरीत असर हो रहा है। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने यह भी माना कि आरक्षण के विरोध में जो बात निचले स्तर तक कांग्रेस और उसके एनजीओज ने पहुँचा दी थी उसे भांपने में हमसे देरी हुई और जब तक हमने कदम उठाये तब तक काफी देर हो चुकी थी। पार्टी नेताओं ने यह भी माना कि कई जगह उम्मीदवारों के चयन में खामियां थीं। पार्टी नेताओं ने कहा कि दरअसल लगातार जीत मिलने पर इस तरह का अति-आत्मविश्वास ऊपर से लेकर नीचे तक आ जाता है जिसका दुष्परिणाम देखने को मिला। पार्टी के नेताओं ने माना कि अक्सर भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गलतबयानी से पार्टी के लिए शर्मिंदगी हो जाती है, खासकर चुनावों के समय दिये गये विवादित बयानों से ज्यादा असहज स्थिति उत्पन्न हो जाती है। पार्टी नेताओं ने कहा कि अब वह उम्मीदवार चयन के लिए पैमानों को और कड़ा बना रहे हैं। पार्टी नेताओं ने यह भी कहा कि मोदी सरकार की उपलब्धियां बेशुमार हैं और विपक्ष अब हमारी एक भी उपलब्धि को नकार नहीं पाया है। पार्टी नेताओं ने कहा कि विपक्ष सिर्फ विदेशी मामले जाकर देशी राजनीति में हंगामा करना चाहता है लेकिन जनता इसको स्वीकार नहीं करती। पार्टी नेताओं ने कहा कि भाजपा और आरएसएस के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है और लोकसभा चुनावों के दौरान दिये गये एक विवादित बयान का मुद्दा सुलझ चुका है। भाजपा के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पूछे गये सवाल पर भी शीर्ष नेताओं ने कहा कि संघ और पार्टी के बीच कोई मतभेद नहीं है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावनाओं से इंकार करते हुए पार्टी नेताओं ने कहा कि हाल-फिलहाल इसकी संभावना नहीं है। राहुल गांधी की ओर से संवैधानिक संस्थानों पर लगाये जाने वाले आरोपों पर पार्टी नेताओं ने कहा कि जनता उनके आरोपों पर नहीं बल्कि हमारे संस्थानों पर विश्वास करती है। पार्टी नेताओं ने कहा कि जनता के बीच होने वाले तमाम सर्वेक्षण इस बात को दर्शाते हैं कि राहुल गांधी के मुकाबले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता आज भी शीर्ष पर बनी हुई है। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी के शीर्ष नेताओं ने यह स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार ही एनडीए का मुख्यमंत्री चेहरा होंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का वोट उनके साथ दृढ़ता से खड़ा हुआ है। पार्टी नेताओं ने कहा कि लेकिन बिहार में टक्कर बराबर की लग रही है। हमें यह देखना है कि हम आगे कैसे निकलेंगे। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने सवालों के जवाब में इस बात का विश्वास जताया कि बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी क्योंकि मोदी-नीतीश की जोड़ी का कोई तोड़ नहीं है। पार्टी के शीर्ष नेताओं ने यह भी स्वीकार किया कि बंगाल में उनके पास प्रभावी नेतृत्व नहीं है और पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा से कई गलतियां हुई हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि हम अपनी भूलों से सबक लेकर आगामी विधानसभा चुनाव जीतने की तैयारी में लगे हुए हैं। इसके अलावा भी तमाम राजनीतिक सवालों के जवाब भाजपा के शीर्ष नेताओं ने जिस अंदाज में दिये उसे देखकर वाकई यह लग रहा था कि भाजपा आलाकमान ने गलतियों से सबक ले लिया है।

जयंती

सुरुज बाई खांडे

जन्म-12 जून, 1949; मृत्यु-10 मार्च, 2018) छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध भरतरी गायिका थीं। उन्हें 1986-1987 में सोवियत रूस में हुए 'भारत महोत्सव' का हिस्सा बनने का मौका मिला था। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा उन्हें 'दाऊ रामचंद्र देशमुख' और 'स्व. देवदास बंजारे स्मृति पुरस्कार' भी मिला।

पुण्यतिथि

सी. नारायण रेड्डी

जन्म: 29 जुलाई, 1931, आंध्र प्रदेश; मृत्यु-12 जून, 2017) 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित तेलुगु भाषा के प्रख्यात कवि थे। वे अपनी पीढ़ी के सर्वाधिक जाने-माने कवियों में से एक थे। वे पांच दशकों से भी अधिक समय तक काव्य रचना में लगे रहे। अब तक उनकी 40 से भी अधिक कृतियां प्रकाशित हो चुकी हैं, जिसमें कविता, गीत, संगीत, नाटक, नृत्य-नाट्य, निबंध, यात्रा संस्मरण, साहित्यालोचन तथा गजलें (मौलिक तथा अनूदित) सम्मिलित हैं। 1997 में सी. नारायन रेड्डी को राज्य सभा के लिए नामित किया गया था।

कल मिलेंगे

एक आदमी मुर्गे का फर्म चलाता था
उसने किसी फौजी रिश्तेदार को दावत पर बुलाया
रिश्तेदार दो मुर्गे खा गया फिर भी उसका पेट नहीं भरा
उसकी नजर और मुर्गों पर थी
रिश्तेदार (आंगन में एक बूढे मुर्गे को देखकर)-देखो, ये मुर्गा किस शान से लड़खड़ा रहा है
आदमी (चिढ़कर)-शान क्यों न हों? इसके दो बेटे एक फौजी अधिकारी की सेवा जो कर चुके हैं.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

सोशल मीडिया बच्चों को हिंसक एवं बीमार बना रहा है

मोबाइल आपके बच्चे से उसका बचपन ही नहीं छीन रहा है बल्कि उसे हिंसक भी बना रहा है। हरियाणा में 9 साल के एक बच्चे को इसकी इतनी बुरी लत थी कि उसने स्मार्टफोन छीने जाने की वजह से अपना हाथ काटने की कोशिश की। मोबाइल की लत का ये इकलौता मामला नहीं है। 12 साल का अविनाश मोबाइल के बिना एक पल नहीं रह सकता। उससे अगर मोबाइल छीन लिया जाये तो वो गुस्से में आ जाता है

-ललित गर्ग

सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग से बच्चों का बचपन न केवल प्रभावित हो रहा है, बल्कि बीमार, हिंसक एवं आपराधिक भी हो रहा है। यह चिंताजनक एवं चुनौतीपूर्ण है। यह बच्चों को समय के प्रति, परिवार एव सामाजिक कौशल के प्रति और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। सोशल मीडिया ने बच्चों से बाल-सुलभ क्रीड़ाएं ही नहीं छीनी बल्कि दादी-नानी की कहानियों से भी वंचित कर दिया है। कुछ विशेषज्ञ इस बात से चिंतित हैं कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बच्चे अनैतिक, उग्र, जिद्दी एवं आक्रामक भी हो रहे हैं, जो उन्हें चिंता और अवसाद में धकेल रहे हैं। बच्चें सोशल मीडिया पर वक्त ज्यादा गुजार रहे हैं, ऑनलाइन गेम्स ने बच्चों की दुनिया ही बदल दी है। अब ये आवाज उठने लगी है कि क्यों न बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रतिबंधित कर देना चाहिए? टेन के हार्परकॉलिन्स और नीलसन आईक्यू की एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में ऐसे ही चिन्ताजक तथ्य सामने आये हैं कि बड़ी संख्या में युवा माता-पिता कहानियों की बजाय डिजिटल मनोरंजन को प्राथमिकता दे रहे हैं। पंचतंत्र से लेकर स्नो व्हाइट पिनोकियो जैसी कहानियां अब शेल्फ पर धूल फांक रही हैं। नये बन रहे समाज एवं परिवार में सोशल मीडिया जहर घोल रहा है।

स्मार्टफोन बड़ों ही नहीं, बच्चों के हाथ में आ गया है। जवान और बूढ़े ही नहीं छोटे-छोटे बच्चे तक इसके आदी होते जा रहे हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक, गेम्स सब कुछ स्मार्टफोन पर होने की वजह से बच्चों और युवाओं में इसकी आदत अब धीरे-धीरे लत में तब्दील होती जा रही है। सोने के समय बच्चों को कहानियां सुनाना या उनके लिए लोरियां गाना कभी पारिवारिक संस्कृति का अहम हिस्सा हुआ करता था। दादी-नानी हों या माता-पिता की सुनाई गई परीकथाएं बच्चों के लिए नींद से पहले की सबसे प्यारी यादें होती थीं। लेकिन अब सोशल मीडिया के आने से इसके बिना बचपन सूना हो रहा है। बच्चे किताबों और खेलकूद के मैदानों से दूर हो रहे हैं। स्क्रीन की नीली रोशनी उनकी आंखों के साथ दिमागी सेहत पर भी बुरा असर डाल रही है। इसके अलावा शारीरिक श्रम एवं रचनात्मकता भी कम हो गई है। यह केवल पश्चिमी देशों की ही नहीं, भारत की भी सच्चाई बन चुकी है। जेन जेड यानी 1996 से 2010 के बीच जन्मे युवा माता-पिता अब इस प्यारी परंपरा से मुंह मोड़ रहे हैं। हालिया शोधों से पता चला है कि अब कहानियां पढ़ना-सुनाना जेन जेड माता-पिता के लिए जिम्मेदारी एवं मनोरंजन नहीं बल्कि एक थकाऊ काम बन गया है। मोबाइल अब केवल बच्चों के लिए ही समस्या नहीं है, बल्कि बड़े भी इसकी चपेट में हैं। यह सिर्फ फोन या मैसेज करने तक ही सीमित नहीं रहा है। ना जाने कितने ही तरह के ऐप्स, व्हाट्सएप, फेसबुक जैसी सोशल मीडिया एप, और गेम्स बड़ो एवं बच्चों को दिन भर व्यस्त रखते हैं। लेकिन अगर मोबाइल के बिना आपको बेचैनी होती है तो समझ जाइये कि आप भी इस एडिक्शन के शिकार होते जा रहे हैं जो आपके लिए चिन्ता की बात है।

टेन के हार्परकॉलिन्स और नीलसन आईक्यू की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में खासकर महानगरों और शहरी इलाकों में सोशल मीडिया का बच्चों में प्रचलन अधिक बढ़ रहा है। पढ़ने को मनोरंजन एवं ज्ञान का हिस्सा मानने की बजाय गंभीर पढ़ाई से जोड़कर देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक नई पीढ़ी के अभिभावकों को लगता है कि बच्चों को कहानी सुनाना एक अतिरिक्त जिम्मेदारी है। शहरीकरण एवं पारिवारिक संरचना में बदलते स्वरूप से पिछले दस सालों में बड़े बदलाव हुए हैं, संयुक्त परिवार की जगह अब एकल परिवार हैं, जहां दादी-नानी जैसे कहानी सुनाने वाले सदस्य मौजूद नहीं है। समय की कमी, कामकाजी जीवन की व्यस्तता और थकान के कारण माता-पिता के पास बच्चों को कहानी सुनाने का समय नहीं बचता। नई पीढ़ी के माता-पिता खुद ही पढ़ने की आदत से दूर हो चुके हैं, जिससे बच्चों को प्रेरणा नहीं मिलती। स्कूल का होमवर्क भी इसमें बड़ी बाधा है। रिपोर्ट के आंकडों के अनुसार 41 प्रतिशत माता-पिता ही रोज अपने चार साल तक के बच्चों को कहानी सुनाते हैं। जबकि 2012 में यह आंकड़ा 64 प्रतिशत था। 28 प्रतिशत जेन जेड माता-पिता पढ़ने को एक मजेदार गतिविधि नहीं मानते।

बच्चों की सोशल मीडिया चैनल्स पर उपस्थिति उन्हें वास्तविक जीवन से दूर करके वर्चुअल दुनिया में ले जा रही है। जहां दिखावटीपन एवं नकारात्मकता की भरमार है। इससे बच्चों का बचपन तो छिन ही रहा है, उनका मानसिक एवं शारीरिक विकास भी अवरुद्ध हो रहा है। सोशल मीडिया यानी यूट्यूब-इंस्टा, अन्य सोशल साइट की लत बच्चों को वास्तविक दुनिया से दूर कर रही है और उनकी एकाग्रता, याददाश्त और ध्यान की क्षमता को कम करके उन्हें अपंग, बीमार एवं हिंसक बना रही है। बच्चे अपने प्रश्नों का हल या समस्या का निवारण किताबों में ढूँढकर पढ़ने के बजाय केवल मोबाइल पर ढूँढने के आदी होते जा रहे हैं जो उचित नहीं है। मोबाइल और साइबर एडिक्शन अब एक गम्भीर समस्या बनती जा रही है जो बच्चों की दिनचर्या पर बुरा असर डाल रही है। इससे मानसिक विचलन और चिड़चिड़ापन बढ़ता जा रहा है कि हम छोटी छोटी बातों पर घर-परिवार के सदस्यों पर गुस्सा करने लग गये हैं।

मोबाइल आपके बच्चे से उसका बचपन ही नहीं छीन रहा है बल्कि उसे हिंसक भी बना रहा है। हरियाणा में 9 साल के एक बच्चे को इसकी इतनी बुरी लत थी कि उसने स्मार्टफोन छीने जाने की वजह से अपना हाथ काटने की कोशिश की। मोबाइल की लत का ये इकलौता मामला नहीं है। 12 साल का अविनाश मोबाइल के बिना एक पल नहीं रह सकता। उससे अगर मोबाइल छीन लिया जाये तो वो गुस्से में आ जाता है। ऐसी ही लत है भोपाल यूनिवर्सिटी की प्रिया को। उसे व्हाट्सऐप की ऐसी लत लगी कि वह पूरी रात जगी रह जाती है। अब वह इस लत से छुटकारा पाने के लिए मानसिक अस्पताल में काउन्सलिंग ले रही है। मोबाइल की लत से बच्चे आपराधिक भी होते जा रहे हैं और गलत कदम तक उठा रहे हैं। अभी हाल ही में ग्रेटर नोएडा में एक 16 वर्षीय लड़के ने अपनी माँ और बहन की हत्या कर दी क्योंकि बहन ने शिकायत कर दी थी कि भाई दिन भर मोबाइल फोन पर खतरनाक गेम खेलता रहता है और इसलिए माँ ने बेटे की पिटाई की, उसे डाँटा और उसका मोबाइल छीन लिया। मोबाइल पर मारधाड़ वाले गेम खेलते रहने के आदी लड़के का गुस्सा इसी से बढ़ गया। इसी तरह कुछ महीनों पहले कोटा में एक 16 वर्षीय किशोर ने फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस की जाँच पड़ताल में पता चला कि बच्चे को पबजी गेम खेलने की लत थी और दिनभर मोबाइल में गेम खेलता रहता था। जब घरवालों ने मोबाइल छीन लिया और देने से मना कर दिया तो यह गलत कदम उठा लिया।

देश में बड़े अस्पतालों में मोबाइल की लत के शिकार लोगों के इलाज के लिए खास क्लीनिक हैं। और यहाँ आने वाले मरीजों की संख्या जिनमें बच्चें बहुतायत में हैं, अब दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। मोबाइल और एप बनाने वाली कम्पनियाँ अपने मुनाफे के लिए कितनी अमानवीय हो गयी हैं कि यह सब जानते हुए भी लोगों को मानसिक रोग के गड्ढे में धकेल रही हैं। वे नये-नये गेम बनाकर मुनाफा बटोर रही हैं। परिवार एवं समाज में जागरूकता अभियान के साथ सरकार को इस उभर रहे बड़े संकट पर ध्यान देना होगा। बच्चों को खेल, कला, संगीत और अन्य गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में जानकारी दें और उन्हें साइबर अपराधों से बचने के तरीके सिखाएं। बच्चों को सोशल मीडिया का उपयोग करने के बारे में सही जानकारी देना और उन्हें इसके नकारात्मक प्रभावों से बचाना जरूरी है।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

स्त्री-पुरुष संबंधों में बिगड़ते संतुलन की त्रासदी: एक नैतिक और मानवीय विमर्श

मेघालय से लापता सोनम का एक पखवारे बाद गाजीपुर में मिलना उसे संदेह के घेरे में डाल चुका है। राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश में यदि उसकी संलिप्तता साबित हो जाती है तब विवाह जैसे पवित्र बंधन से युवाओं का भरोसा उठना स्वाभाविक है। सात फेरों के इस पावन रिश्ते के साथ ऐसा खिलवाड़ अमानवीय है। चाहे सौरभ सिंह हो या राजा रघुवंशी, इन मामलों से यह बात साफ है कि बात केवल अपराध कि वीभत्सता तक सीमित नहीं है

-दीपा लाभ

समाज में पारिवारिक संरचना को हमेशा से आदर्श और स्थायित्व का प्रतीक माना गया है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ऐसे आपराधिक घटनाक्रमों की संख्या में वृद्धि हुई है, जहाँ विवाह जैसी पवित्र संस्था छल, द्वेष और हिंसा का माध्यम बन गई है। राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी जैसे मामले इस बात का प्रमाण हैं कि अब केवल स्त्रियाँ ही नहीं, बल्कि पुरुष भी घरेलू हिंसा और मानसिक उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं। हालांकि सोनम का जुर्म अभी साबित नहीं हुआ है और असलियत सामने आने में वक्त लग सकता है। मगर इसकी संभावना से इनकार भी नहीं किया जा सकता। हाल-फिलहाल में पत्नी द्वारा पतियों की हत्या या तलाक के नाम पर उत्पीडन के कई मामले समूचे देश की सुर्खियों में शामिल रहे हैं। इन मामलों में कानून, प्रशासन और सरकारें अपनी भूमिका निभाती रहेंगी, मगर इस देश के प्रबुद्ध नागरिक होने के नाते हमारी मानवीय और नैतिक जिम्मेदारियों पर विमर्श की आवश्यकता है।

मेघालय से लापता सोनम का एक पखवारे बाद गाजीपुर में मिलना उसे संदेह के घेरे में डाल चुका है। राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश में यदि उसकी संलिप्तता साबित हो जाती है तब विवाह जैसे पवित्र बंधन से युवाओं का भरोसा उठना स्वाभाविक है। सात फेरों के इस पावन रिश्ते के साथ ऐसा खिलवाड़ अमानवीय है। चाहे सौरभ सिंह हो या राजा रघुवंशी, इन मामलों से यह बात साफ है कि बात केवल अपराध कि वीभत्सता तक सीमित नहीं है। 36 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल अतुल सुभाष की आत्महत्या जिसके पीछे तलाक की प्रक्रिया और पत्नी द्वारा मानसिक प्रताड़ना कारण बताया गया, सोचने को मजबूर करती है कि आज की पीढ़ी की, विशेषकर स्त्रियों की मनोदशा या मानसिकता ऐसी क्यों होती जा रही है।

वैवाहिक संबंधों में अविश्वसनीयता आज समाज के सामने एक बहुत बड़ी समस्या बन कर सामने खड़ा है। आधुनिक जीवनशैली में संवादहीनता से विश्वास और सम्मान का अभाव अब स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। 1 जनवरी से 31 मई 2025 के बीच पांच महीने में 1169 मामले फैमिली कोर्ट में पहुंचे हैं, जो 2024 की तुलना में 216 मामले अधिक हैं। इनमें तलाक के 700 व घरेलू हिंसा व भरण पोषण के 469 मामले हैं, जबकि 2024 में तलाक के 506 व भरण पोषण, घरेलू हिंसा के 447 फैमिली कोर्ट में आए थे। इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि भारत जैसा देश जहाँ विवाह को जन्म-जन्मान्तर का सम्बन्ध माना जाता था, आजकल फैमिली क्राइसिस से गुजर रहा है और वैवाहिक संस्था की आस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

जो कानून महिलाओं की सुरक्षा और अस्मिता की रक्षा के लिए बनाया गया था, उसी कानून का फायदा उठा कर महिलाएँ अब पैसे ऐंठना, संपत्ति लूटना और पति व ससुराल वालों को मानसिक उत्पीड़न देने से नहीं कतराती हैं। ऐसा नहीं है कि महिलाओं को इस कानून की आवश्यकता नहीं थी, किन्तु दहेज कानून (498अ) और घरेलू हिंसा अधिनियम के दुरूपयोग के कई मामले अब जनता की नजरों में आ चुके हैं। अवसाद, ईगो क्लैश, अपेक्षाओं का टकराव और आर्थिक अस्थिरता भी संबंधों में विष घोलते हैं। ऐसे में एक कदम आगे बढ़कर हत्या जैसी वारदातों को अंजाम देना एक नई समस्या की ओर इशारा कर रहा है -मेंटल हेल्थ।

मानव जीवन अमूल्य है। विवाह यदि प्रेम, सहयोग और साझेदारी का आधार न बन सके तो उसे सुलझाने के कानूनी और सामाजिक उपाय होने चाहिए, न कि हिंसा या छल से इसका अंत। किसी भी पक्ष द्वारा मानसिक या शारीरिक शोषण केवल कानून का नहीं, नैतिकता का भी उल्लंघन है। हर मानव को सुनने और समझे जाने की आवश्यकता होती है। एक स्वस्थ दांपत्य के लिए केवल अधिकार नहीं, कर्तव्य और संवेदना की जरूरत है। इस कार्य के लिए कानून, समाज और प्रशासन की साझेदारी की भूमिका होनी चाहिए।

समस्या गम्भीर है, किन्तु उपायों पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। जैसे पूर्व-विवाह परामर्श को प्रोत्साहन दिया जाए। मीडिया और फिल्मों में संतुलित और संवेदनशील चित्रण हो ताकि विवाह और संबंधों की समझ सही रूप में विकसित हो। स्कूल स्तर पर नैतिक शिक्षा, सह-अस्तित्व और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। सामाजिक संस्थाओं को चाहिए कि वे विवाह के समय केवल उत्सव न करें, बल्कि जिम्मेदारियों की समझ भी विकसित करें। डिजिटल रिकॉर्डिंग और साक्ष्य को कानूनी रूप से अधिक मान्यता दी जाए जिससे झूठे आरोपों का पदार्फाश हो सके। विशेषकर, राजा रघुवंशी केस में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इस केस ने जिस प्रकार जनमानस और न्याय प्रणाली का ध्यान आकर्षित किया, उसमें मीडिया एक प्रमुख कड़ी के रूप में सामने आया। प्रारंभ में जब केस की जानकारी सीमित थी और पुलिस प्रशासन पर निष्पक्ष जांच को लेकर संदेह था, तब मीडिया ने लगातार रिपोर्टिंग कर इस मामले को सामने लाने का कार्य किया। इससे जनता में जागरूकता फैली और उच्चस्तरीय जांच की माँग उठी। मीडिया कवरेज ने जनभावनाओं को स्वर दिया और प्रशासन व न्यायिक संस्थाओं पर कार्रवाई के लिए नैतिक दबाव बनाया। यही दबाव था जिससे केस की जांच विशेष एजेंसियों तक पहुँच सकी। हालाँकि, कुछ मीडिया चैनलों द्वारा बिना ठोस प्रमाणों के आरोपियों को दोषी या निर्दोष ठहराने की प्रवृत्ति देखी गई, जिससे 'ट्रायल बाय मीडिया' जैसी स्थिति उत्पन्न हुई। इससे न्यायिक प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है और यह निष्पक्ष न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध जाता है। मीडिया ने केस से संबंधित अदालती कार्यवाहियों, साक्ष्यों और घटनाक्रमों को जनता तक पहुँचाने का कार्य किया, जिससे पारदर्शिता बनी रही। राजा रघुवंशी केस में मीडिया ने एक सजग प्रहरी की भूमिका निभाई, लेकिन कुछ जगहों पर इसकी निष्पक्षता और संयम पर प्रश्नचिन्ह भी लगे। इसलिए ऐसी संवेदनशील घटनाओं में मीडिया को जिम्मेदार और संतुलित भूमिका निभानी चाहिए ताकि न्याय और लोकतंत्र दोनों को बल मिले।

आज की दुनिया में स्त्री और पुरुष दोनों ही समान रूप से संवेदनशील, भावनात्मक और पीड़ित हो सकते हैं। जिस समाज में किसी भी एक वर्ग की पीड़ा को उपेक्षित किया जाता है, वहाँ न्याय और संतुलन की बात अधूरी रह जाती है। यह आवश्यक है कि हम विवाह को एक संवेदनशील साझेदारी समझें, न कि संघर्ष का मैदान। केवल तभी हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ सकेंगे जो वास्तव में न्याय, करुणा और सह-अस्तित्व पर आधारित हो।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

अमेरिका-चीन के बीच समझौता, चीनी वस्तुओं पर 55% टैरिफ लगाएगा अमेरिका

(एजेन्सी)।

अमेरिका। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका एक नए समझौते के तहत चीन से मैग्नेट और दुर्लभ पृथ्वी खनिजों तक पहुँच सुनिश्चित करेगा, साथ ही एक महत्वपूर्ण टैरिफ वृद्धि की घोषणा करते हुए चीनी आयात पर शुल्क को 55 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। यह कदम चीन से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखलाओं, विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखलाओं की बढ़ती वैश्विक जांच के बीच उठाया गया है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह ने बुधवार (11 जून) को चेतावनी दी कि कई वैश्विक ब्रांड अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं, विशेष रूप से झिंजियांग क्षेत्र से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखलाओं के माध्यम से जबरन श्रम प्रथाओं में शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि खनिजों या उन खनिजों पर आधारित उत्पादों का स्रोत बनाने वाली कई कंपनियों को अनजाने में सुदूर-पश्चिमी चीन में मानवाधिकारों के उल्लंघन का समर्थन करने का जोखिम हो सकता है।

दुर्लभ मृदा खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और सैन्य हार्डवेयर सहित उच्च तकनीक उद्योगों में आवश्यक घटक हैं। चीन वर्तमान में इन सामग्रियों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है, जिससे उन तक पहुँच अमेरिका के लिए एक प्रमुख रणनीतिक चिंता बन गई है। ट्रंप की घोषणा बीजिंग पर बढ़े हुए टैरिफ के माध्यम से आर्थिक दबाव और अमेरिकी उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण संसाधनों को सुरक्षित करने के बीच संतुलन बनाने का सुझाव देती है। हालाँकि, चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़ी मानवाधिकार संबंधी चिंताओं के कारण नैतिक सोर्सिंग और सख्त निगरानी की माँगें तेज होने की संभावना है।

फ्लाइट अटेंडेंट से बहस करना 3 भारतीय महिलाओं को पड़ा भारी

(एजेन्सी)।

तीन भारतीय मूल की महिलाओं को अमेरिका में स्पिरिट एयरलाइंस की फ्लाइट से उतार दिया गया। बताया जा रहा है कि उनकी फ्लाइट अटेंडेंट से तीखी बहस हुई थी। टिकटॉक पर पोस्ट किए गए वीडियो को 4 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इस घटना के कारण उड़ान में एक घंटे से अधिक की देरी हुई, जब तक कि पुलिस वहां नहीं पहुंच गई और महिलाओं को विमान से बाहर नहीं निकाल लिया गया।

एक @khamisidrismoh नाम की आईडी वाले टिकटॉकयूजर ने वीडियो शेयर किया है जिसमें तीन महिलाएं एक लाइन में बैठी हुई दिखाई दे रही हैं जबकि फ्लाइट अटेंडेंट असहमति के दौरान गलियारे में खड़ी है। महिलाएं परेशान दिखाई दे रही हैं और क्रू मेंबर पर फ्लाइट के गंतव्य के बारे में नहीं बताने का आरोप लगा रही हैं। अटेंडेंट द्वारा यह दावा करने के बाद कि फ्लाइट न्यूयॉर्क के बजाय न्यू ऑरलियन्स जा रही है, एक महिला कहती हुई सुनाई दे रही है, आपको नहीं पता कि फ्लाइट कहां जा रही है। सबसे पहले, आपको नहीं पता। फ्लाइट अटेंडेंट अपनी गलती स्वीकार करती है और कहती है कि जब उसने न्यू ऑरलियन्स कहा तो वह गलत बोल गई। मुझे इसके लिए खेद है। वह कहती है यह मेरी गलती है। फिर अटेंडेंट महिलाओं से अनुरोध करती है कि वे अपना सामान उनके सामने वाली सीट के नीचे रख दें। ऐसा लगता है कि महिलाओं ने उसकी बात नहीं सुनी या जानबूझकर उसे अनदेखा किया। फिर से न्यू ऑरलियन्स की गलती का ज़िक्र करती हैं। एक महिला ने तर्क दिया, आपने कई बार कहा है कि यह न्यू ऑरलियन्स है। इसलिए सबसे पहले आपको यह जानना होगा कि हम कहां जा रहे हैं। इस बिंदु पर, फ्लाइट अटेंडेंट अपना धैर्य खो देती है और महिलाओं को चेतावनी देती है कि उन्हें विमान से उतार दिया जाएगा। ठीक है, आप जानते हैं, बस इसके लिए, मैं सुनिश्चित करने जा रहा हूँ कि आप लोग उतर जाएँ। यह मेरे लिए आसान है। स्पिरिट एयरलाइंस की फ्लाइट अटेंडेंट ने कहा और फिर चली गई।

टिकटॉक पर अपलोड किए गए वीडियो के दूसरे भाग में पुलिसकर्मियों को यात्रियों को उतारने के लिए विमान में प्रवेश करते हुए दिखाया गया है।

बालिका वधू में आनंदी का किरदार निभाने वाली अविका गोर ने की सगाई

(एजेन्सी)।

बालिका वधू में आनंदी का किरदार निभाने वाली अविका गोर ने अब सगाई कर ली है। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने प्रशंसकों के साथ खुशखबरी साझा की। उन्होंने अपने लंबे समय के बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी से सगाई कर ली है। अविका गोर ने सगाई की कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह और मिलिंद सबसे ज्यादा मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है और यह वाकई बहुत खूबसूरत है। कैप्शन में, अविका गोर ने बताया कि मिलिंद ने कैसे प्रपोज किया।

अविका और मिलिंद ने अपनी निजी और दिल को छू लेने वाली सगाई के जश्न की शानदार झलकियाँ साझा कीं। अंगूठियों का आदान-प्रदान करते समय यह जोड़ा पारंपरिक परिधानों में बेहद खूबसूरत लग रहा था। उन्होंने अपने खास दिनों के लिए कलर कॉर्डिनेटेड आउटफिट पहने थे। अविका गुलाबी रंग की साड़ी में खूबसूरत लग रही थीं, जबकि मिलिंद ने नेहरू जैकेट के साथ हल्के गुलाबी रंग का कुर्ता पायजामा पहना था। अविका गोर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने मंगेतर मिलिंद चंदवानी के साथ कुछ तस्वीरें साझा कीं।

श्रृंखला में पहला स्नैपशॉट युगल के बीच एक सहज और हर्षित क्षण को दशार्ता है। विशेष अवसर के दौरान उनकी चमकदार मुस्कान उस पल की शुद्ध खुशी को दर्शाती है, जो फ्रेम में पूरी तरह से जमी हुई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटो के साथ एक प्यारा सा कैप्शन लिखा, उन्होंने लिखा, "उसने पूछा.. मैं मुस्कुराई, मैं रोई (उसी क्रम में)...और अपने जीवन का सबसे आसान हाँ चिल्लाया! मैं पूरी तरह से फिल्मी हूँ- बैकग्राउंड स्कोर, स्लो-मो सपने, मस्कारा लगाना और सब कुछ।

मिलिंद चंदवानी एक सामाजिक कार्यकर्ता और उद्यमी हैं। वह कैंप डायरीज के संस्थापक हैं, जो वंचित बच्चों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित एक गैर सरकारी संगठन है। मिलिंद 2019 में एमटीवी रोडीज रियल हीरोज का भी हिस्सा थे और नेहा धूपिया के गैंग में थे। वह आईएमएम अहमदाबाद से एमबीए ग्रेजुएट हैं। चंदवानी ने इंफोसिस में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में अपनी यात्रा शुरू की।

इंस्टाग्राम पर मिलिंद के 101‘ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। अपनी लव लाइफ के बारे में बात करते हुए, अविका गोर ने भारती सिंह के पॉडकास्ट पर मिलिंद चंदवानी के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की थी। अविका और मिलिंद पहली बार हैदराबाद में कॉमन फ्रेंड्स के जरिए मिले थे और उन्होंने बताया था कि वह पहले छह महीनों तक उन्हें फ्रेंड-जोन में रखा गया। सामाजिक कार्यों के प्रति गहरी रुचि रखने वाले कॉर्पोरेट पेशेवर मिलिंद ने अपने दयालु व्यक्तित्व के कारण अभिनेत्री को आकर्षित किया। अविका ने मिलिंद की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक महान, समझदार व्यक्ति बताया था।

महाराष्ट्र में होने वाली है शराब महंगी

(एजेन्सी)।

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के राजस्व में वृद्धि के उद्देश्य से राज्य उत्पादन शुल्क विभाग ने शराब बिक्री टैक्स बढ़ाने का फैसला किया है। राज्य सरकार ने कुछ दिन पहले ही अपने राजस्व में बढ़ोतरी के लिए शराब पर कर बढ़ाने की योजना पर काम शुरू कर दिया था। इसी कड़ी में अब 11 जून को जीएम ब्रुअरीज और सुला वाइनयार्ड्स के शेयरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। जीएम ब्रुअरीज के शेयरों में करीब 19 प्रतिशत की तेजी आई और वे 853 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार करने लगे, जबकि सुला वाइनयार्ड्स के शेयरों में 10 प्रतिशत की तेजी आई और वे 326 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए।

महाराष्ट्र सरकार ने 10 जून को भारत में निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल), देशी शराब और आयातित शराब पर उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी। राज्य सरकार ने एक नई श्रेणी, महाराष्ट्र निर्मित शराब (एमएमएल) शुरू करने को भी मंजूरी दे दी। अनाज आधारित महाराष्ट्र निर्मित शराब केवल स्थानीय निमार्ताओं द्वारा बनाई जाएगी, जिन्हें इस श्रेणी के तहत नए ब्रांड पंजीकृत करने होंगे। इसमें देशी शराब पर कर संरचना होगी, लेकिन इसे केवल FL-2 और FL-3 लाइसेंसधारियों के माध्यम से बेचा जाएगा। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, राज्य का अनुमान है कि इस खंड का आकार वर्तमान में 5 से 6 करोड़ लीटर है, और इसमें 10 से 11 करोड़ लीटर तक बढ़ने की क्षमता है, जिससे 3,000 करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा।

इस कदम से संभवतः मुंबई स्थित जीएम ब्रुअरीज को लाभ होगा। दूसरी ओर, वाइन और बीयर को नए उत्पाद शुल्क वृद्धि से छूट दी गई है। सुला वाइनयार्ड्स, जो मुख्य रूप से 'सुला' नाम से वाइन की विस्तृत श्रृंखला के लिए जाना जाता है, ने छूट के कारण अपने शेयर मूल्य में तेज वृद्धि देखी। दोनों शेयरों ने इस रुझान को तोड़ते हुए महत्वपूर्ण बढ़त दर्ज की है। भारतीय निर्मित विदेशी शराब पर शुल्क में वृद्धि के कारण अन्य शराब शेयरों में भारी गिरावट आई।

5 टेस्ट मैचों की सीरीज 20 जून से

(एजेन्सी)। मौजूदा समय में टीम इंडिया सचिन तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड में है। ट्रॉफी के तहत 5 टेस्ट मैच की सीरीज खेली जानी है। पहला मैच 20 जून को है। भारत के स्टार जसप्रीत बुमराह सीरीज के सिर्फ 3 टेस्ट ही खेलेंगे लेकिन इस दौरे पर वह मेजबान इंग्लैंड टीम के लिए सबसे बड़े सिरदर्द साबित हो सकते हैं। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन ऐसा है कि अंग्रेज बल्लेबाजों की नींद उड़ जाएगी। 7 साल पहले वहां अपने पहले ही मैच में उन्होंने 5 विकेट लिए थे। जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड में अब तक 9 टेस्ट मैच खेले हैं जिसकी 17 पारियों में 26.27 की औसत से 37 विकेट झटके हैं। वहां उनका पारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 64 रन देकर 5 विकेट है। इंग्लैंड में किसी टेस्ट मैच में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने एक टेस्ट की दोनों पारियों में 110 रन देकर 9 विकेट झटके थे। सिर्फ 2 भारतीय गेंदबाज ही ऐसे हैं जिन्होंने इंग्लैंड में बुमराह से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए हैं। ईशांत शर्मा 48 टेस्ट विकेट के साथ टॉप पर हैं और 43 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं महान ऑलराउंडर कपिल देव। बुमराह को इंग्लैंड में खेलना काफी रास आता है। 2018 में ट्रेंट ब्रिज में खेला गया मैच उनका इंग्लैंड में पहला टेस्ट था और अपने पहले ही मैच में उन्होंने एक पारी में 5 विकेट झटके। भारत ने उस टेस्ट मैच में जीत हासिल की थी। वहीं 2021 दौरे में दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट मैच भी ट्रेंट ब्रिज में खेला गया था और उसमें भी बुमराह ने पारी में 5 विकेट झटके थे। उस दौरे का दूसरा मैच लॉर्ड्स में हुआ था। उस मैच में बुमराह ने बल्ले से भी जौहर दिखाया था। उन्होंने शमी के साथ मिलकर आखिरी विकेट के लिए 89 रनों की नाबाद पारी खेली थी। भारत ने उस टेस्ट में यादगार जीत हासिल की थी।

कचहरी स्वास्थ्य केंद्र पर अधिवक्ता प्रेम प्रकाश ने लगवाया फ्रीज

एसबी संवाददाता

वाराणसी। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रेम प्रकाश सिंह गौतम ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जीवन रक्षक इंजेक्शन के लिए फ्रीज दवा रखने के लिए लगवाया। अब अधिवक्ताओं को को जरूरत पड़ने पर टिटनेस, रैबिज आदि का इंजेक्शन कचहरी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ही आसानी से लग पाएगा। उक्त अवसर पर डा पुनीत सिंह, डा सुदर्शन जैसवार, वरिष्ठ अधिवक्ता राधे लाल, रामजन्म सिंह, संजय सिंह दाढ़ी, कमलेश सिंह, बनारस बार के उपाध्यक्ष राजेश कुमार श्रीवास्तव, अंकुर प्रकाश, गौतम कुमार झा सहित सैकड़ों अधिवक्ता शामिल थे।

अग्नि पीड़ितों की मदद को बढ़ने लगे हाथ

एसबी ब्यूरो

दलसिंहसराय/समस्तीपुर। नगर परिषद दलसिंहसराय के वार्ड संख्या 01 अंतर्गत बाजार समिति रोड में दुर्गा मंदिर के सामने विगत 25 मई 2025 को एक घर में भीषण आग लगने से शंभू सदा और फूलो देवी के दो मासूम बच्चों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। इस दुखद दुर्घटना से शंभू सदा और फूलो देवी का परिवार गहरे सदमे में है। इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही तैलिक साहू समाज दलसिंहसराय के चर्चित डॉ. गोपाल गुप्ता, चंद्रशेखर साह, गोविंद मृणाल ने घटना स्थल पर पहुंच कर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली थी। इस हृदय विदारक दृश्य को देख कर तैलिक साहू समाज दलसिंहसराय के सभी सदस्यों का दिल पसीज गया। सभी सदस्यों ने इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना जताते हुए पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया साथ ही मानवता के नाम पर आगे भी जरूरत पड़ने पर पीड़ित परिवार को उनके साथ खड़ा रहने की बात कही। वही पीड़ित परिवार के बीच राहत सामग्री वितरित किया।

इसके अलावा गेलवेल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. गोपाल गुप्ता ने पीड़ित परिवार को एक साल तक मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्रदान करने की घोषणा की।

15 जून से योग सप्ताह व 21 जून को मनाया जाएगा 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन बदायूं। भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' रखी गई है। 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह तथा 21 जून को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। यह जानकारी जिलाधिकारी अवनीश राय ने योग दिवस के आयोजन के संबंध में आहूत बैठक में दी।

बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अवनीश राय ने कहा कि योग प्रत्येक मनुष्य के मानसिक, शारीरिक व बौद्धिक विकास में सहायक होते हैं। उन्होंने अधिकारियों से आमजन को योग की महत्वता से अवगत कराते हुए योग सप्ताह व 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्य रूप से मनाने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि सभी तहसीलों पर भी संबंधित उप जिलाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत योग सप्ताह व अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को भव्य रूप से मनाया जाना सुनिश्चित करें तथा इसके लिए योग गुरुओं व समाज के प्रबुद्ध जनों से समन्वय स्थापित करें। उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक कार्य को संपादित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री के प्रयत्नों से प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ रखी गई है। उन्होंने बताया कि 15 से 21 जून तक योग सप्ताह में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज आदि स्थानों पर किया जाएगा, जिसमें योग की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक आमजन को इससे जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि योग प्रत्येक मनुष्य के लिए आवश्यक है। 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को जनपद के पुलिस लाइन में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव शर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार, नगर मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार पाल सहित अन्य अधिकारी व योग गुरु मौजूद रहे।

साइबर क्राइम पुलिस का सराहनीय कार्य

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन बदायूं। साइबर क्राइम पुलिस थाना जनपद बदायूँ द्वारा कार्यवाही करते हुये साइबर ठगी किये गये 55,241/-रुपए शिकायतकताओं के बैंक खाते में वापस कराये गये। बढ़ते हुए साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद बदायूँ द्वारा जनसामान्य को समय-समय पर जागरूक किया जाता रहा है तथा साइबर क्राइम पुलिस थाना बदायूँ को आवश्यक/त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया जाता रहा है।

शिकायतकर्ता शाहिद अली पुत्र अलीशेर खाँ नि0 ग्राम जौनेरा थाना सहसवान के साथ ऑनलाइन फ्राड में आवेदक के 84,680/- रू0 की साइबर ठगी की गयी तथा शिकायतकर्ता मो0 असलम खान पुत्र मो0 मजहर खां नि0 ककराला थाना अलापुर के साथ ऑनलाइन फ्राड में आवेदक के 30,241/- रू0 की साइबर ठगी की गयी। जिसके संबंध में शिकायतकर्ताओं द्वारा साइबर क्राइम पुलिस थाना जनपद बदायूँ पर शिकायत दर्ज करायी गयी। थाना साइबर क्राइम जनपद बदायूँ द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदकों के

साथ की गयी साइबर ठगी की धनराशि को तत्काल सम्बन्धित बैंक में होल्ड/फ्रीज करा दिया गया। दिनांक 11-06-2025 को शिकायतकर्ता शाहिद अली की धनराशि 25,000/- रुपए एवं मो0 असलम खान की धनराशि 30,241/- रू0 शिकायतकर्ताओं के खातें में स्थानान्तरित करा दी गयी है।

-प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार वर्धन व साइबर क्राइम थाना स्टाफ साइबर क्राइम जनपद-बदायूँ

अपील-किसी भी अनजान व्यक्ति से अपना खाता संख्या, पिन, ओटीपी, सीवीवी नम्बर इत्यादि साझा ना करे। खाते से धोखाधड़ी से पैसा निकलने की दशा में तुरंत 1930 पर कॉल अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीव्र गति से विकास कर रहा देश: महीपाल ढांडा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में देश 10वें स्थान से चौथे नंबर की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में वस्तुओं और सेवाओं में 825 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड निर्यात दर्ज किया गया है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) ने 1.61 लाख करोड़ रुपये का निवेश, 14 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन, 5.31 लाख करोड़ रुपये का निर्यात और 11.5 लाख नौकरियां पैदा की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 29.8 लाख करोड़ के आत्मनिर्भर भारत पैकेज से कोविड-19 के दौरान एमएसएमई और व्यवसायों को मदद मिली है। भारत में स्वीकृत पेटेंट की संख्या वर्ष 2014-15 में 5,978 से 17 गुना बढ़कर 2023-24 में 1,03,057 हुई है। शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा आज कुरुक्षेत्र में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूरे होने पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों 2014 से 2025 में भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में 54,917 किलोमीटर का विस्तार किया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 2014 से अब तक 3.96 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बनाई गई हैं। भारत में संचालित हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से बढ़कर 2025 में 160 हुई है। इसी तरह उड़ान योजना के अंतर्गत 86 नए हवाई अड्डे बनाए गए और 88 गंतव्यों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि देश में 136 विश्वस्तरीय वंदे भारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है। दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल, चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेल ब्रिज, पहाड़ों में सबसे लंबा रेल टनल, पंबन ब्रिज जैसी परियोजनाओं से देश को नई गति मिली है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक उड़ान में 104 उपग्रह और पहला निजी रॉकेट विक्रम-एस लांच कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। डीबीटी के जरिए 44 लाख करोड़ रुपये वितरित हुए, जिससे फजीर्वाड़े को रोकते हुए 3.48 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि 22 महीनों में 5जी सेवा 99.6 प्रतिशत जिलों तक पहुंची और 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा गया है।

आरक्षण खत्म करने की साजिश करने वाली ताकतों का मुकाबला करना होगा: कुमारी सैलजा

'गुरूओं, संत-महात्माओं की वाणी को आत्मसात करके ही आगे बढ़ना होगा'

एसबी विशेष संवाददाता

सोनीपत। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने सभी को संत शिरोमणि कबीर दास जी की जयंती की बधाई देते हुए कहा कि गुरूओं, संत-महात्माओं की वाणी को आत्मसात करके ही आगे बढ़ना होगा साथ ही अपने हक के प्रति सजग और सतर्क रहना होगा क्योंकि बाबा साहिब डॉ भीमराव अंबेडकर ने जो आरक्षण दिया था आज कुछ ताकतें उस आरक्षण को एक साजिश के तहत खत्म करना होगा, ऐसे में इस प्रकार की ताकतों से सावधान रहना ही होगा।

वे बुधवार को धानक संत कबीर समाज जागृति मंच द्वारा शिरोमणि संत कबीर साहेब की 628 वीं जयंती के अवसर पर गीता भवन मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। प्रधान हसंराज, बलराज सिंह, कुलदीप सिंह, स्वामी जी आदि ने उनका स्वागत किया। कुमारी सैलजा ने सबसे पहले शिरोमणि संत कबीर साहेब के चित्र के समक्ष नमन किया। उन्होंने कहा कि समाज एकजुट रहकर ही अपने हक सुरक्षित रख सकता है, हमें एक दूसरे का सम्मान चाहिए अगर समाज बंटकर रहा तो उसे कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि शिरोमणि संत कबीर साहेब ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर किया, समाज को जागृत किया। समाज में व्याप्त कुरीतियों को खत्म करने के लिए संत-महात्मा अवतार लेते है। संत महात्माओं की वाणी से ही समाज में जागरूकता आती है। आज भी हम शिरोमणि संत कबीर साहेब की वाणी को आत्मसात कर आगे बढ़ सकते है, हमें गुरूओं का सम्मान करना होगा, समाज का सम्मान करना होगा। उन्होंने कहा कि गुरूओं की वाणी पीढ़ी दर पीढी आगे बढ़ती है गुरूओं की वाणी संपूर्ण समाज के लिए है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर ने आरक्षण की व्यवस्था लागू की थी कि ताकि वंचित वर्ग का कल्याण हो सके पर कुछ ताकतें आज इस आरक्षण को खत्म करने की साजिश कर रही है जिनका मुकाबला करना होगा और उनसे सावधान रहना होगा।

कुमारी सैलजा ने कहा कि एक दूसरे का हाथ पकड़कर आगे बढों और संकल्प लो कि आरक्षण खत्म करने वाली ताकतों का मुकाबला करना है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि समाज में जहां भी अच्छाई दिखे उसे ग्रहण करो और हकों की रक्षा करो, क्योंकि जिसका जो हक है वह उसे मिलना ही चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए। आज के हुक्मरानों से पूछों कि उनके लिए क्या किया है, आधुनिक भारत, विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने के दावा करने वालों से कहो कि भाषणों से उनका पेट भरने वाला नहीं है, जो लोग आज 05 किग्रा अनाज लेकर खुश हो रहे है उन्हें अनाज छोड़कर रोजगार मांगना चाहिए कि ताकि वे रोजगार पाकर फिर रोजगार देने वाले बन सके। कुमारी सैलजा ने कहा कि बच्चो के भविष्य को ध्यान में रखकर आगे बढ़ो।

उपभोक्ता स्वयं मोबाइल एप्लीकेशन से फेशियल ई केवाईसी का कार्य करे पूरा: उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि निदेशक, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग हरियाणा चंडीगढ़ के दिशा-निर्देशानुसार 30 जून 2025 तक जिला के सभी बी.पी.एल. व ए.ए.वाई. श्रेणी के कार्ड धारकों के प्रत्येक बी.पी.एल. व ए.ए.वाई. राशन कार्ड में दर्ज सभी सदस्यों का इ.के.वाई.सी. अपडेट/वेरिफिकेशन का कार्य पूर्ण किया जाना है। यह कार्य कार्ड धारक द्वारा स्वयं मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से फेशियल ई.के.वाई.सी. द्वारा किया जाना है। इस कार्य के लिए अब कार्ड धारक को राशन डिपो पर जाने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने बताया कि बी.पी.एल. व ए.ए. वाई, राशन कार्ड धारक अपने मोबाइल के गूगल प्ले स्टोर से ई.के.वाई.सी. मोबाइल एप्लीकेशन डाउनलोड करे तथा ई.के.वाई.सी. पर क्लिक करे। सभी कार्ड धारक को इस ऐप में हरियाणा राज्य का चुनाव करके राशन कार्ड में दर्ज आधार नंबर दर्ज करना होगा, कार्ड धारक को ओ.टी.पी. प्राप्त करने के लिए अपने सदस्य के आधार कार्ड मे दर्ज मोबाइल नंबर पर ओ.टी.पी. भेजना होगा। इसके उपरांत प्राप्त ओ.टी.पी. डालकर व कैपचा कोड फोलो करते हुए सबमिट बटन पर क्लिक करना होगा, जिससे कार्ड धारक की डिटेल स्क्रीन पर दिखाई देगी, इसके बाद कार्ड धारक को अपने चेहरे पर फोक्स करते हुए अपनी आंख को झपकना होगा तथा सफलतापूर्वक डाटा कैप्चर होने पर ई.के.वाई.सी. प्रक्रिया पूर्ण हो जाएगी और डाटा अग्रिम कार्यवाही हेतु भेज दिया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि जिला के

सभी बी.पी.एल. व ए.ए.वाई. कार्ड धारकों को ई.के.वाई.सी. मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से अपना ई. के.वाई.सी. का कार्य 30 जून 2025 से तक पूर्ण करना होगा ताकि कार्ड धारको को वर्तमान व भविष्य में पी.डी.एस. से सम्बन्धित मिल रही सुविधाओं व योजनाओं का लाभ मिल सके। यदि कोई थी.पी.एल. व ए.ए.वाई. कार्ड धारक राशन कार्ड में दर्ज सभी सदस्यों का ई. के.वाई.सी. का कार्य 30 जून 2025 तक पूर्ण नहीं कर पाता और कार्ड धारक का राशन बंद हो जाता है तो इसकी पूर्ण जिम्मेवारी कार्ड धारक की होगी। उन्होंने जिला के सभी बी.पी.एल. व ए.ए.वाई. कार्ड धारकों से अपील करते हुए कहा कि 30 जून 2025 से पूर्व ही अपना ई. के.वाई.सी. अवश्य करे।

उन्होंने कहा कि अगर किसी कार्ड धारक को ई.के.वाई.सी. करने में कोई भी दिक्कत आती है तो वह सम्बन्धित सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी/ निरीक्षक के कार्यालय या जिला खाद्य एवं पूर्ति नियन्त्रक कार्यालय करनाल में संपर्क कर सकता है।

एचएयू हिसार के निर्दोष छात्रों के साथ सुरक्षा कर्मियों द्वारा दुर्व्यवहार एवं मारपीट करना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण: ओ पी सिहाग

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार पंचकूला। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के पूर्व में छात्र संघ के अध्यक्ष रहे एवं जननायक जनता पार्टी जिला पंचकूला के अध्यक्ष ओ पी सिहाग ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर प्रशासनिक ब्लॉक के सामने इकट्ठे होकर धरना दे रहे छात्रो पर सिक्युरिटी गार्ड की ड्रेस में यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा भर्ती किए गुंडे तत्वो द्वारा सुनियोजित तरीके से किया गया हमला एक बहुत ही गंभीर मामला है तथा यूनिवर्सिटी प्रशासन की मनसा पर सवाल उठाता है। पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष ने कहा कि इस सारे प्रकरण एवं घटनाक्रम से यह साबित होता है कि इस विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी छात्रो की जायज मांगों को न मानकर तानाशाहों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। जो कि सभ्य समाज में बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।

जजपा नेता एवं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्टूडेंट्स यूनियन के पूर्व अध्यक्ष ओ पी सिहाग ने कहा कि इस हमले में विश्वविद्यालय के एक असिस्टेंट प्रोफेसर ने भी निर्दोष छात्रों पर सुरक्षा कर्मियों के साथ मिलकर लाठियां भांजी जिससे कई छात्रों को गम्भीर चोट आई है। सिहाग ने हरियाणा सरकार तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों से आग्रह किया है कि इन गुंडागर्दी करने वाले सभी लोगों को तुरंत गिरफतार करके जेल में ठूंस

देना चाहिए तथा उनको नौकरी से भी बाहर निकाल देना चाहिए। ओपी सिहाग जो एचएयू ट्राई सिटी एलूमनी एसोसिएशन पंचकूला/चंडीगढ़ के वरिष्ठ सदस्य है, ने कहा कि इस एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य अपनी मीटिंग करके जल्दी ही इस समस्या बारे कोई ठोस समाधान निकालने के लिए आंदोलन करने वाले छात्रों का सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर दो दिन के अंदर गुनाहगारों पर कोई कार्यवाही प्रशासन या सरकार द्वारा नहीं की जाती है तो इस एसोसिएशन के पदाधिकारी एक ज्ञापन महामहिम राज्यपाल हरियाणा को सौंप कर मांग करेंगे कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तथा वहां के कुलपति जो पूर्ण रूप से अपनी ड्यूटी निभाने में नाकाम साबित हुए हैं उनको पद से हटाया जाए।

अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री मान ने वैश्विक मैचों के लिए 25,000 रग्बी गेंदों की खेप को दिखाई हरी झंडी

संजना भारती संवाददाता

जालंधर। पंजाब के लिए एक गर्व और ऐतिहासिक पल के साक्षी बनते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 2025 के प्रतिष्ठित महिला रग्बी विश्व कप के मैचों के लिए 25,000 रग्बी गेंदों की खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर दोनों नेताओं ने भारत के खेल निर्माण हब जालंधर में मौजूद होने पर बहुत गर्व व्यक्त किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पंजाब के लिए बहुत गर्व की बात है कि जालंधर-आधारित कंपनी सावी इंटरनेशनल द्वारा बनाई गई रग्बी गेंदों को इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन में इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पंजाब के लिए गर्व की बात है कि जालंधर में बनी रग्बी गेंदें विश्व कप में इस्तेमाल की जाएंगी। दोनों नेताओं ने आगे कहा कि खेल उद्योग हजारों नौकरियां पैदा करने और पंजाब को विश्व-व्यापी विनिर्माण पावरहाउस के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जालंधर के खेल उद्योग की विश्व-व्यापी साख को उजागर करते हुए, नेताओं ने मेहनती और दूरदर्शी निर्माताओं की सराहना की, जिन्होंने लगातार विश्व स्तरीय उत्पाद बनाए हैं। उन्होंने इस बढ़ते हुए क्षेत्र को मजबूत प्रोत्साहन देने के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

दोनों नेताओं ने कहा कि पंजाब हमेशा हिम्मती और उद्यमियों की धरती रही है और आज यह उसी भावना के साथ भारत के औद्योगिक पुनरुत्थान का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि राज्य के इतिहास में पहली बार पंजाब की औद्योगिक नीतियां विशेष रूप से उद्योगपतियों के साथ परामर्श कर तैयार की गई हैं, जो वास्तव में सुविधाजनक और व्यवसाय-अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने उद्योग की सभी प्रमुख मांगों को कुशलता से पूरा किया है।

दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि पंजाब इस समय देश में सबसे अच्छी कानून व्यवस्था की स्थिति पर गर्व करता है, जो औद्योगिक निवेश को और भी आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य ने पहले ही 1.05 लाख करोड़ से अधिक का निवेश प्राप्त कर लिया है, जिसमें लगभग पांच लाख युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने की संभावना है। उन्होंने कहा कि टाटा स्टील और सनातन टेक्सटाइल जैसी प्रमुख कंपनियां पंजाब में निवेश करने के लिए आगे बढ़ रही हैं, राज्य के व्यवसाय-हितैषी माहौल, मजबूत बुनियादी ढांचे, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति, कुशल मानव शक्ति और मजबूत औद्योगिक कार्य नैतिकता का पूरा फायदा उठा रही हैं।

सावी इंटरनेशनल के योगदान की सराहना करते हुए नेताओं ने कहा कि कंपनी इस बात का उदाहरण देती है कि कैसे पंजाबी अपनी मेहनत, प्रतिबद्धता और दृष्टि से विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाबी वास्तव में वैश्विक नागरिक हैं, जो अपनी लचीलेपन और उद्यम की भावना के लिए मशहूर हैं। इस शानदार उपलब्धि के लिए उद्योगपतियों को हार्दिक बधाई देते हुए केजरीवाल और मान दोनों ने विश्वास व्यक्त किया कि वे उद्योग के मानक को ऊंचा उठाना जारी रखेंगे। उन्होंने खेल निर्माण क्षेत्र को और भी ऊंचाइयों प्राप्त करने में मदद करने के लिए राज्य सरकार द्वारा पूर्ण समर्थन और सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

संत कबीर जयंती पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दी सौगात, सफाई कर्मियों के वेतन में 2100 रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा

■ संत सरसाई नाथ मेडिकल कॉलेज में बनेगा 100 बेड का नशा मुक्ति केंद्र

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत शिरोमणि कबीर दास जी की जयंती के अवसर पर सफाई कर्मियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उनके मासिक वेतन में 2100 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। इसके अलावा, सिरसा में बन रहे संत सरसाई नाथ मेडिकल कॉलेज में 100 बेड का नशा मुक्ति केंद्र बनाने की भी घोषणा की। साथ ही, डबवाली में स्थित नशा मुक्ति केंद्र में 10 बेड की संख्या को बढ़ाकर 30 बेड करने और ऐलनाबाद के सरकारी अस्पताल के पास 30 बेड का नया नशा मुक्ति केंद्र बनाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार प्रसार योजना के तहत जिला सिरसा में आयोजित संत शिरोमणि कबीर दास जयंती राज्य स्तरीय समारोह में उपस्थितजन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 31 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने संकल्प पत्र में सफाई कर्मियों के वेतन को चरणबद्ध तरीके से 5 सालों में 26 हजार तक बढ़ाने का संकल्प लिया है, इसके लिए सरकार कटिबद्ध है। संकल्प पत्र में जो हमने कहा है उसे हम पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीर भारतीय संस्कृति की 'सर्वधर्म समभाव' और 'वसुधैव कुटुम्बकम' परम्परा के संवाहक और इतिहास के अनमोल रत्न थे। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ, जब हमारा समाज अंधविश्वास, जात-पात और रूढ़िवादी परम्पराओं में जकड़ा हुआ था। संत कबीर ने अपने कर्म से वंदनीय स्थान प्राप्त किया। वे अपने समय के सबसे साहसी समाज-सुधारक थे। उन्होंने सभी धर्मों की कुरीतियों और रूढ़ियों पर कड़ी चोट की। उन्होंने कहा कि संत कबीर दास जी जैसे संत-महात्माओं, ऋषि-मुनियों, पीर-पैगम्बरों और गुरुओं ने भूली-भटकी मानवता को जीवन का सच्चा रास्ता दिखाया है। ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की धरोहर हैं। उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा संत कबीर जी के विचारों को आधुनिक भारत की नींव बताया है। संत कबीर जी के विचारों को आगे बढ़ाते हुए आजादी के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आधुनिक भारत के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाई है। पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने कल्याणकारी योजनाएं चलाकर गरीबों को सशक्त व मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने भी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र पर चलते हुए समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं और नीतियां लागू की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का मूल दर्शन 'अंत्योदय' है, पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का उत्थान है। यही संत कबीर का मार्ग है, यही हमारी नीतियों का आधार है। आज हमारी ट्रिपल इंजन सरकार तीन गुणा रफ्तार से संत कबीर द्वारा दिखाए गए मार्ग पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जब 'वंचित अनुसूचित जाति' के लिए आरक्षण के प्रावधान पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया तो हरियाणा सरकार ने उस निर्णय को प्रदेश में लागू करने का काम किया और डीएससी समाज को उसका हक दिया।

नशा मुक्त हो जिला अभियान तहत संदिग्ध नशा तस्करों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार कैथल। जिला पुलिस प्रशासन द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एनडीपीएस के मामलो में नोडल अधिकारी डीएसपी कुलदीप बेनीवाल की अगुवाई में नशा तस्करी का पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड खंगाल कर संदिग्ध नशा तस्करों की पहचान की गई है। जो इसके आधार पर पुलिस टीमों ने कमांडो दस्ते और स्नाइपर डॉग्स की सहायता से संदिग्ध नशा तस्करों के ठिकानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। इस कार्रवाई में थाना चीका, गुहला, सीवन, शहर, सदर, पूंडरी व ढांड क्षेत्र में विभिन्न थाना क्षेत्रों के पुलिस अधिकारियों, नारकोटिक्स यूनिट और डॉग स्क्वॉड की संयुक्त टीमें शामिल रही।

एसपी आस्था मोदी ने बताया कि ने बताया कि जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। नशा तस्करों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा और किसी भी नशा तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा। नशा तस्कर समाज पर कलंक है, जो समाज को खराब करने का कार्य कर रहे है।

नशा तस्करों की असली जगह सलाखों पीछे है। इस अभियान में मुख्य रूप से नशे का कारोबार करने वालों और आपराधिक कार्यों में शामिल आरोपी जो गैर कानूनी तरीके से रह रहे हों पर शिकंजा कसना है, जिला पुलिस का उद्देश्य कैथल जिला को नशा मुक्त बनाना है। इसके साथ साथ पुलिस द्वारा सर्च ऑपरेशन के अलावा वहां मौजूद आमजन को समझाया गया कि किसी प्रकार के मादक पदार्थ बेचने वाले या अन्य किसी अपराधी के बारे में पुलिस को सूचित करें, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा, इसके साथ साथ नशा ना करने बारे भी जागरूक किया गया।

पुलिस का यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा और इससे या तो अपराधीक व्यक्ति अपराध करना छोड़ देगा या वह कैथल के क्षेत्र को छोड़ देगा।

■ नशा तस्करी का पिछला 10 साल का रिकॉर्ड खंगालकर कमांडो दस्ते व स्नाइपर डॉग्स की सहायता से की गई सघन जांच

देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का काम किया जाएगा: जगमोहन आनंद

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल संकल्प से सिद्धि तक के उपलक्ष में होने वाले आगामी कार्यक्रमों को लेकर स्थानीय कर्ण कमल कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया तथा कार्यकताओं की बैठक ली।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में वस्तुओं और सेवाओं में $825 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड निर्यात दर्ज किया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अंतर्गत 2014 से अब तक 3.96 लाख किलोमीटर ग्रामीण सडकें बनाई गई हैं।

भारत में संचालित हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से बढकर 2025 में 160 हुई हैं। इसी तरह उड़ान योजना के अंतर्गत 86 नए हवाई अड्डे बनाए गए और 88 गंतव्यों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि देश में 136 विश्वस्तरीय वंदे भारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है। दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल, चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेल ब्रिज, पहाड़ों में सबसे लंबा रेल टनल, पंबन ब्रिज जैसी परियोजनाओं से देश को नई गति मिली है।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत संसद व विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। पहली बार महिलाओं को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश का रास्ता बनाया है। इसके साथ ही मातृत्व अवकाश 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यम वर्ग का जीवन आसान करने के लिए कई बड़े फैसले लिए गए। इनमें प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से 300 यूनिट मुफ्त बिजली, सौभाग्य योजना से 100 प्रतिशत घरों में बिजली कनेक्शन लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के द्वारा भारत की शिक्षा प्रणाली को विश्वस्तरीय बनाया गया। एनईपी योजना को देश में सबसे पहले हरियाणा राज्य ने लागू किया है।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 55 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज किया गया और 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को भी लाभ मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ मकान बनाए गए। हर घर जल योजना के अंतर्गत 15 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से जल मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 51 करोड़ लोगों को सुरक्षा कवरेज दी गई है।

पीएम किसान सम्मान निधि से किसानों को हर वर्ष 6,000 रुपये वार्षिक सहायता दी जा रही है, इस योजना के तहत किसानों को अब तक 3.7 लाख करोड़ रुपए वितरित किए हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत एलओसी पार 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर सैन्य आत्मनिर्भरता का प्रदर्शन किया तथा अनुच्छेद 370 और 35-ए हटने के बाद जम्मू-कश्मीर पूरी तरह भारत के संवैधानिक और राष्ट्रीय ढांचे में एकीकृत बना है। विधायक जगमोहन आनंद ने कर्ण कमल कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनी तथा मौके पर अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि जो भी व्यक्ति अपनी समस्या लेकर उनके पास आए, वह लिखित शिकायत लेकर आए। उस शिकायत पर साफ-साफ संबंधित व्यक्ति का पता और उसका मोबाइल नंबर अवश्य हो, ताकि आसानी से संपर्क किया जा सके। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का हर दिन फोलो अप लिया जाता है, इस कार्य के लिए उनके सेक्टर-13 स्थित कैंप कार्यालय पर कर्मचारी लगाए गए हैं, जो विभागों से जानकारी लेते हैं।

राजौंद के वार्ड आठ की खस्ताहाल गली बनी तालाब, जनता परेशान

■ ठेकेदार ने काम शुरू कर दिया है, शीघ्रता से काम पूरा करवाया जाएगा: नपा सचिव नरेंद्र शर्मा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार राजौंद। राजौंद के वार्ड 8, पेगा मार्ग से शमशान घाट वाली गली की, पहली लिंक गली में सिवरेज व पीने के पानी की पाईप लाईन कई महीने पहले दब चुकी है। नागरिकों ने बताया कि आस पास की सभी गली तीन महीने पहले सीसी की बन चुकी है। इस गली के निर्माण कार्य में देरी से नागरिक परेशान है। गली ने तालाब का रूप धारण कर लिया है। नालियों, गटर का गन्दा, बदबूदार पानी घर में प्रवेश कर रहा है। यह गली क्यों नहीं बन रही यक्ष प्रश्न है। मिली जानकारी के अनुसार जिस ठेकेदार को गली बनाने का टेंडर मिला था उसके द्वारा गली निर्माण कार्य समय पर शुरू न करने पर अब इस गली निर्माण की ठेकेदारी मोनू ठेकेदार को दी गई है। गली निर्माण कार्य ढुलमुल गति से आगे बढ रहा है।

पार्षद वार्ड आठ अनुराग ने बताया कि इस गली के लिए कई बार नपा व ठेकेदार से अनुरोध किया है, नामालूम गली निर्माण में देरी क्यों हो रही है। गौरतलब है कि इस गली में गरीब वाल्मीकि समाज के नागरिक कृष्णा, पाला, विनोद, महेंद्र, बुटा, बिट्टू, बलबीर, रामपाल, राजेश, मेधा परिवार के घर है। इन गरीब नागरिकों की आवाज ठेकेदार तक नहीं पहुंच पा रही है।

नागरिकों ने मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी, उपायुक्त कैथल, डीएमसी कैथल, नपा सचिव नरेंद्र शर्मा से गली निर्माण कार्य बरसात के मौसम से पहले पूरा करने का अनुरोध किया है। नागरिकों ने बताया कि उनकी गली में सिवरेज व पीने के पानी की पाइपलाइन दोनों कई महीने पूर्व दबाई जा चुकी है। उसके बाद भी उनकी गली को पक्का नहीं बनाया जा रहा। कई जगह गली ने तालाब का रूप धारण कर लिया है। स्कूल जाते बच्चें, महिला, पुरुष, वृद्ध सभी हताश व परेशान हो चुके हैं। नागरिक, नगर पालिका व ठेकेदार से अनुरोध करते-करते थक गए हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

नपा सचिव ने क्या कहा

गली निर्माण में हो रही देरी के बारे में नपा सचिव नरेंद्र शर्मा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि इस गली को बनाने का टेंडर जिस ठेकेदार को दिया गया था उसने समय पर काम शुरू नहीं किया है। इसलिए अब दूसरे ठेकेदार को गली बनाने की जिम्मेवारी सौंपी गई है। ठेकेदार ने गली में मिट्टी डालकर निर्माण कार्य शुरू किया है। ठेकेदार को कहकर इस गली को शीघ्रता से पूरा करवाया जाएगा। नागरिकों को और परेशान होने नहीं दिया जाएगा।

डॉ. संगीता यादव ने किया करनाल के किसानों को जागरूक

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत एक विशेषज्ञों के दल ने करनाल ब्लॉक के ग्राम दराड़, शेरगढ़ तप्पू एवं नेवल का दौरा किया। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को कृषि एवं पशुपालन से संबंधित नवीनतम वैज्ञानिक जानकारी, उन्नत तकनीकों तथा सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा।

इस दल में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान , क्षेत्रीय केंद्र, करनाल की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संगीता यादव, भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राजेन्द्र सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र, करनाल के एसएमएस डॉ. महा सिंह, श्री जसविंदर सिंह (जिला उद्यान अधिकारी), तथा श्री गौरव मेहला (ब्लॉक कृषि अधिकारी), पशुपालन विभाग, करनाल से पशु चिकित्सक सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम की वक्ता डॉ. संगीता यादव ने बासमती धान की उन्नत किस्मों, गुणवत्ता बीजों के प्रयोग की अनिवार्यता और आईएआरआई, करनाल की ऐतिहासिक भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। आईएआरआई जिसे 'पूसा संस्थान' के नाम से भी जाना जाता है, देश में कृषि अनुसंधान, शिक्षा एवं प्रशिक्षण का एक प्रमुख केंद्र है। उन्होंने किसानों को यह समझाया कि बीज कृषि का मूल आधार है और कहा-"जैसा बीज बोओगे, वैसी ही फसल पाओगे।" उन्होंने यह भी बताया कि आईसीएआर आई-आईएआर आई, करनाल देश में गुणवत्ता युक्त बीज उत्पादन व आपूर्ति श्रृंखला में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिससे किसानों को बेहतर उपज एवं लाभ प्राप्त होता है।

डॉ. रणधीर ने किसानों को मृदा एवं जल परीक्षण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी, जिससे कृषि उत्पादन में सुधार लाया जा सके। वक्ताओं ने मृदा व जल परीक्षण तथा संरक्षण संबंधी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि वैज्ञानिक पद्धतियों से मृदा स्वास्थ्य में सुधार कर कृषि उत्पादकता में वृद्धि की जा सकती है। डॉ. महा सिंह ने फसलों में कीट एवं रोग प्रबंधन के उपाय साझा किए, जबकि पशुपालन विभाग के चिकित्सकों ने पशुओं के पोषण, प्रजनन एवं रोग प्रबंधन के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

अभियान के दौरान उपस्थित किसानों को सरकार की विभिन्न किसान-हितैषी योजनाओं जैसे बीज मिनी-किट, पशु बीमा योजना, बागवानी एवं फसल विविधिकरण योजनाओं की जानकारी दी गई। किसानों ने वैज्ञानिकों से उत्साहपूर्वक संवाद किया और अपने क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के समाधान प्राप्त किए।

यह अभियान किसानों को सशक्त, जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा, जिससे न केवल उनकी उत्पादकता में सुधार होगा, बल्कि सतत कृषि विकास को भी बल मिलेगा।

मोदी सरकार के 11 साल में देश ने हासिल की उपलब्धियां: सुभाष चंद्र

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। जून स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने कहा कि भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार करते हुए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अपने 11 साल पूरे कर लिए हैं। इस दौरान सरकार ने कई महत्वपूर्ण नीतियों और पहलों को लागू किया है, जिन्होंने देश की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक दिशा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की सबसे प्रमुख उपलब्धियों में से एक है आर्थिक सुधार, सरकार ने जीएसटी (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स) जैसे महत्वपूर्ण कर सुधारों को लागू किया है, जिसका उद्देश्य देश में एक समान बाजार बनाना और कर चोरी को कम करना था। इसके अलावा, सरकार ने मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों को बढ़ावा दिया है, जिनका उद्देश्य देश में विनिर्माण और नवाचार को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सामाजिक कल्याण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। स्वच्छ भारत अभियान के तहत सरकार ने 11.72 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया, जबकि जल जीवन मिशन ने 11.82 करोड़ ग्रामीण घरों को नल जल कनेक्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छ भारत अभियान' सिर्फ शौचालय बनाने तक सीमित नहीं है स्वास्थ्य के नजरिए से देखें तो भी हमें स्वच्छ भारत अभियान का सीधा फायदा मिला है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के माध्यम से सरकार ने देश के गरीब और वंचित वर्गों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का प्रयास किया है। इसके अलावा सरकार ने शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में भी कई पहलों को शुरू किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन काल मे भारत मे दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम, दुनिया की सबसे बड़ी टनल, दुनिया का सबसे बड़ा स्टेचू बनाया गया है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल भी भारत में बना है। इसके अलावा तीन तलाक खत्म करना, राम मंदिर का निर्माण, धारा 370 का समापन, महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण, वक्फ संशोधन बिल, दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में सबसे आगे ले जाना मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में शामिल है। देश की सेना दुनिया की तीसरी सबसे मजबूत सेना बनी है। रोड़ इन्फ्रास्ट्रू चक्कर दुनिया के विकसित देशों के बराबर हुआ है।

शीतली, सीत्कारी प्राणायाम गर्मी व हीट वेब बचाव में उपयोगी: डॉ. शकुंतला दहिया

■ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का अभ्यास

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार कैथल। जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 11वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की श्रृंखला में स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा जिला नागरिक हस्पताल कैथल में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का अभ्यास किया गया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया के मार्गदर्शन में एचएस हुड्डा एवं आयुष योग सहायकों के माध्यम से योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर में गर्दन एवं कंधे के लिए सूक्ष्म व्यायाम, बैलेंस के लिए वृक्षासन, त्रिकोणासन, अर्धचकासन तथा हाईपर टेंशन व तनाव के लिए शीतली एवं भ्रामरी प्राणायामक का अभ्यास करवाया गया। डॉ. शकुंतला दहिया ने कहा कि शीतली, सीत्कारी प्राणायाम गर्मी व हीट वेब बचाव में बहुत उपयोगी है। सिविल सर्जन डॉ रेनू चावला ने बताया कि जिला नागरिक अस्पताल तथा जिले के सभी सीएचसी, पीएचसी में ओपीडी में आने वाले मरीजों को चिकित्सीय सलाह के साथ-साथ आयुष योग सहायकों द्वारा रोग के अनुसार योग प्रशिक्षण दिया जाता है।समय-समय पर गर्भवती महिलाओं के लिए नार्मल डिलीवरी में सहायक योगासन के लिए योग कैंप आयोजित किए जाते है। योग जीवन का अभिन्न अंग है. इसलिए जीवन को योगमय बनाना चाहिए।

डॉ. शकुंतला दहिया ने बताया कि 20 जून 2025 को योग दिवस के लिए सभी ब्लॉक एवं जिला स्तर पर फाइनल रिहर्सल का आयोजन किया जाएगा तथा 21 जून 2025 को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा।

बाल दिवस-2024 का राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह करनाल में: उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि आगामी 13 जून को हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद चंडीगढ़ द्वारा बाल दिवस के उपलक्ष में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह करनाल के मंगलसेन सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व विशिष्ट अतिथि के तौर पर हरियाणा बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी शिरकत करेंगी, इसके अलावा कार्यक्रम में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव सुषमा गुप्ता अध्यक्षता करेगी।

उपायुक्त ने बताया कि इस राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा बाल दिवस-2024 के विजेता बच्चे हिस्सा लेंगे तथा प्रदेशभर से बच्चे इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इन बच्चों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। समारोह में विभिन्न जिलों से आए बच्चे अपनी-अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे।